

2025  
Premium  
Edition



# NISM-Series-V-A: Mutual Fund Distributors Certification Examination Mock Test Demo Hindi



10 Years of Trust



**Financial Street**  
**NISM-Series-V-A: Mutual Fund Distributors Certification**  
**Examination Mock Test**



## Why Financial Street

- 1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
- 2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
- 3 Easy to Study on Desktop/Mobile
- 4 Easy to Study Offline/Online
- 5 Clear Your Exam in Very First Attempt
- 6 Excellent Passing/Success Rate
- 7 Give Exam with High Confidence
- 8 Regularly Updated
- 9 Variety of Question & Answers
- 10 Join Free Demo

## Testimonial

*"The NISM VA Mutual Fund mock test in Hindi was a great study material for my exam. It provided me with a thorough overview of all the concepts, from the basics of mutual funds to advanced ones. The questions were extremely relevant to the real exam, and the rationale for every answer was extremely detailed, enabling me to understand tough concepts. Due to the mock test, I was confident on the exam day and easily cleared it."*

*Ravi Desai (Ahmedabad)  
Financial Planner*

## Secured & Verified BY



instamojo



GoDaddy



LIMITED TIME

OFFER

**Buy NISM Series V Mutual Fund Distributors Certification**

**Examination Mock Test Hindi**

**Get**

**Free Stock Market Analysis Course (3 Module + Bonus Videos)**

**प्रश्न 1:** निम्नलिखित में से कौन-से निवेश का मूल्यांकन करने के कारक हैं?

- A- सुरक्षा
- B- तरलता
- C- रिटर्न
- D- उपरोक्त सभी

**उत्तर: D**

**व्याख्या:** निवेश का मूल्यांकन करने के कई कारक होते हैं जैसे सुरक्षा, रिटर्न, तरलता, टिकट साइज, कर कटौती आदि। इनमें से सुरक्षा, तरलता और रिटर्न सबसे महत्वपूर्ण हैं।

**प्रश्न 2:** निवेश निर्णय लेने में निम्नलिखित में से कौन-सी व्यावहारिक पूर्वाग्रह है?

- A- उपलब्धता हेयूरिस्टिक
- B- जोखिम प्रोफाइलिंग
- C- कंपनी का हित
- D- लाभ से बचाव

**उत्तर: A**

**व्याख्या:** उपलब्धता हेयूरिस्टिक एक व्यावहारिक पूर्वाग्रह है जिसमें लोग उस जानकारी को अधिक महत्व देते हैं जो उनके लिए आसानी से उपलब्ध होती है।

**प्रश्न 3:** म्यूचुअल फंड योजना की निवेश नीति किसका खुलासा करती है?

- A- संपत्ति आवंटन
- B- निवेश शैली
- C- दोनों A और B
- D- इनमें से कोई नहीं

**उत्तर: C**

**व्याख्या:** प्रत्येक म्यूचुअल फंड योजना का एक निवेश उद्देश्य होता है, जिसे प्राप्त करने के लिए निवेश नीति बनती है जिसमें संपत्ति आवंटन और निवेश शैली शामिल होती है।

**प्रश्न 4:** म्यूचुअल फंड द्वारा पेश की गई निवेश की प्रणालीबद्ध विधि कौन-सी है?

- A- SIP
- B- SWP
- C- STP
- D- उपरोक्त सभी

**उत्तर: D**

**व्याख्या:** SIP (Systematic Investment Plan), SWP (Systematic Withdrawal Plan) और STP (Systematic Transfer Plan) म्यूचुअल फंड की प्रणालीबद्ध निवेश विधियाँ हैं।

**प्रश्न 5:** सेबी के नियमों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है?

- A- मल्टी कैप फंड
- B- फोकस्ड फंड
- C- कॉन्ट्रा फंड
- D- उपरोक्त सभी

**उत्तर: D**

**व्याख्या:** सेबी के नियमों के अनुसार, मल्टी कैप फंड, फोकस्ड फंड और कॉन्ट्रा फंड - ये सभी ओपन-एंडेड इक्विटी योजनाएँ हैं।

**प्रश्न 6:** रिटायरमेंट फंड्स की लॉक-इन अवधि कितनी होती है?

- A- 3 वर्ष या सेवानिवृत्ति आयु (जो भी पहले हो)
- B- 2 वर्ष या सेवानिवृत्ति आयु (जो भी पहले हो)
- C- 5 वर्ष या सेवानिवृत्ति आयु (जो भी पहले हो)
- D- 7 वर्ष या सेवानिवृत्ति आयु (जो भी पहले हो)

**उत्तर: C**

**व्याख्या:** रिटायरमेंट फंड एक ओपन-एंडेड रिटायरमेंट सॉल्यूशन ओरिएण्टेड योजना है, जिसमें 5 वर्षों या सेवानिवृत्ति आयु (जो भी पहले हो) की लॉक-इन अवधि होती है। यह योजना रिटायरमेंट के लिए कोष इकट्ठा करने के दीर्घकालिक उद्देश्य के लिए बनाई जाती है।

**प्रश्न 7:** निम्नलिखित कथन को सत्य या असत्य के रूप में बताएं:

**कथन:** निवेशकों और उनके यूनिट होल्डिंग का रिकॉर्ड केवल AMC द्वारा ही रखा जाना चाहिए।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** म्यूचुअल फंड की विभिन्न योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों का रिकॉर्ड AMC द्वारा रखा जा सकता है, या फिर AMC एक रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (RTA) को यह कार्य सौंप सकती है।

**प्रश्न 8:** निम्नलिखित कथन को सत्य या असत्य के रूप में बताएं:

**कथन:** AMC के स्वतंत्र निदेशक म्यूचुअल फंड के ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किए जा सकते हैं।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** कोई भी AMC और उसका कोई निदेशक (चाहे वह स्वतंत्र ही क्यों न हो), अधिकारी या कर्मचारी म्यूचुअल फंड का ट्रस्टी नियुक्त नहीं किया जा सकता।

**प्रश्न 9:** AMC के नियंत्रण में बदलाव केवल किसकी पूर्व स्वीकृति से किया जा सकता है?

- A- प्रायोजक और सेबी
- B- ट्रस्टी और सेबी
- C- ट्रस्टी और AMFI
- D- ट्रस्टी और प्रायोजक

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** AMC के नियंत्रण में किसी भी प्रकार का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष परिवर्तन केवल ट्रस्टी और सेबी की पूर्व स्वीकृति से ही किया जा सकता है। इस परिवर्तन की लिखित सूचना सभी यूनिट धारकों को दी जाती है।

**प्रश्न 10:** AMC संगठन के संदर्भ में निम्नलिखित कथन को सत्य या असत्य के रूप में बताएं:

**कथन:** निवेशकों का रिकॉर्ड बनाए रखने के कार्य के लिए AMC को RTA नियुक्त करना अनिवार्य है।

- A- सत्य
- B- असत्य

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** RTA की नियुक्ति AMC द्वारा की जाती है, लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। AMC चाहें तो यह कार्य खुद इन-हाउस भी कर सकती है। हालांकि, सभी RTAs का सेबी के पास पंजीकरण अनिवार्य होता है।

**प्रश्न 11:** म्यूचुअल फंड्स के संदर्भ में निम्नलिखित कथन को सत्य या असत्य बताइए:

**कथन:** म्यूचुअल फंड कोई भी ऋण नहीं दे सकता।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: A**

**व्याख्या:** यह म्यूचुअल फंड्स पर लागू एक सामान्य प्रतिबंध है। म्यूचुअल फंड किसी को भी ऋण नहीं दे सकता।

**प्रश्न 12:** सेबी के म्यूचुअल फंड विज्ञापन संहिता के अंतर्गत निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य?

**कथन:** कोई भी विज्ञापन सीधे या परोक्ष रूप से अन्य विज्ञापनों को बदनाम नहीं कर सकता या अनुचित प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: A**

**व्याख्या:** सेबी की म्यूचुअल फंड विज्ञापन संहिता के अनुसार, कोई भी विज्ञापन अन्य विज्ञापनों को बदनाम करने या अनुचित प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति नहीं देता।



**प्रश्न 13:** म्यूचुअल फंड्स के मामले में, एक निवेशक अधिकतम कितने नामांकित व्यक्ति नियुक्त कर सकता है?

A- 2

B- 3

C- 4

D- 5

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** निवेशक अधिकतम 3 नामांकित व्यक्ति नियुक्त कर सकते हैं, जिन्हें निवेशक की मृत्यु के बाद यूनिट्स का अधिकार मिलेगा।

**प्रश्न 14:** निम्नलिखित में से कौन-सा दस्तावेज़ योजना से संबंधित है?

A- SAI

B- SID

C- KIM

D- A और B दोनों

**उत्तर: D**

**व्याख्या:** योजना से संबंधित दस्तावेज़ों में SID (Scheme Information Document) और SAI (Statement of Additional Information) शामिल होते हैं। KIM (Key Information Memorandum) भी एक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने वाला दस्तावेज़ होता है।

**प्रश्न 15:** RISK-O-METER किस दस्तावेज़ का हिस्सा होता है?

- A- SAI
- B- SID
- C- ट्रस्ट डीड
- D- KIM

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** RISK-O-METER और योजना की उपयुक्तता का विवरण SID (Scheme Information Document) के पहले पृष्ठ पर उपलब्ध होता है।

**प्रश्न 16:** क्या निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य?

**कथन:** SID, SAI और KIM में किए गए अस्थायी परिवर्तन एक एडेंडम (Addendum) जारी कर के अपडेट किए जाते हैं।

- A- सत्य
- B- असत्य

**उत्तर: A**

**व्याख्या:** SID, SAI और KIM को समय-समय पर अपडेट किया जाता है और जब भी कोई अस्थायी परिवर्तन होता है तो उसे एडेंडम के ज़रिए अपडेट किया जाता है, जो दस्तावेज़ों का हिस्सा माना जाता है।

**प्रश्न 17:** भारत में म्यूचुअल फंड्स का वितरण किसके माध्यम से किया जाता है?

- A- डाकघर
- B- AMC
- C- बैंक शाखाएं
- D- उपरोक्त सभी

**उत्तर: D**

**व्याख्या:** भारत में म्यूचुअल फंड्स का वितरण कई चैनलों के माध्यम से किया जाता है - व्यक्तिगत वितरकों, बैंक शाखाओं, राष्ट्रीय वितरकों, उनके एजेंट्स, डाकघर और सीधे AMC द्वारा।

**प्रश्न 18:** निम्नलिखित में से कौन-से म्यूचुअल फंड वितरक बनने के लिए आवश्यक पूर्व-शर्तें हैं?

- A- AMC के साथ एम्पैनलमेंट
- B- AMFI पंजीकरण संख्या प्राप्त करना
- C- NISM सर्टिफिकेशन प्राप्त करना
- D- उपरोक्त सभी

**उत्तर: D**

**व्याख्या:** एक व्यक्ति, बैंक, NBFC या वितरण कंपनी म्यूचुअल फंड का वितरक बन सकता है, बशर्ते कि:

उसके पास NISM सर्टिफिकेशन हो,

डिस्ट्रीब्यूशन नियमों की जानकारी हो,

AMFI पंजीकरण संख्या हो,

और AMC के साथ एम्पैनलमेंट किया गया हो।

**प्रश्न 19:** डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन के संदर्भ में निम्नलिखित कथन को सत्य या असत्य बताइए:

**कथन:** डिस्ट्रीब्यूटर को उनके स्वयं के निवेश पर भी AMC से कमीशन मिलता है।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** डिस्ट्रीब्यूटर को केवल अपने ग्राहकों से पूंजी जुटाने पर कमीशन मिलता है। उनके स्वयं के निवेश (सेल्फ-बिज़नेस) पर कोई कमीशन देय नहीं होता।

**प्रश्न 20:** मान लीजिए कि एक डिस्ट्रीब्यूटर ने निम्न विवरण के अनुसार निवेश राशि जुटाई:

**निवेश राशि:** ₹5,00,000

**ट्रेल कमीशन:** 2% प्रति वर्ष

तो जनवरी माह के लिए अग्रिम ट्रेल कमीशन की गणना कीजिए।

A- ₹10,000

B- ₹1,000

C- ₹849

D- ₹899

**उत्तर: C**

**व्याख्या:** वार्षिक ट्रेल कमीशन = ₹5,00,000 × 2% = ₹10,000

प्रतिदिन का ट्रेल कमीशन = ₹10,000 / 365 = ₹27.397

जनवरी माह के लिए = ₹27.397 × 31 = ₹849.31 ≈ ₹849

**प्रश्न 21:** मान लीजिए कि ₹50,000 का निवेश ₹35.50 के NAV पर एक प्रथम बार निवेशक द्वारा किया गया है, तो निवेशक को कितनी यूनिट्स आवंटित होंगी?

- A- 1408.45
- B- 1404.22
- C- 1412.67
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** लेन-देन शुल्क = ₹150 (प्रथम बार निवेश के लिए)

यूनिट्स =  $(₹50,000 - ₹150) / ₹35.50 = 1404.22$  यूनिट्स

**प्रश्न 22:** सेबी के निष्पक्ष मूल्यांकन सिद्धांतों के अनुसार, मूल्यांकन नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा एक वित्तीय वर्ष में कम से कम कितनी बार होनी चाहिए?

- A- दो बार
- B- एक बार
- C- तीन बार
- D- चार बार

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** सेबी के निष्पक्ष मूल्यांकन सिद्धांत संख्या 4 के अनुसार, मूल्यांकन नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा एक स्वतंत्र ऑडिटर द्वारा कम से कम एक बार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जानी चाहिए।

**प्रश्न 23:** ट्रेडेड सिक्योरिटीज़ के मूल्यांकन दिशानिर्देशों के संदर्भ में निम्नलिखित कथन को सत्य या असत्य बताइए:

**कथन:** सिक्योरिटीज़ का मूल्यांकन स्टॉक एक्सचेंज पर अंतिम उद्धृत समापन मूल्य पर किया जाएगा।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: A**

**व्याख्या:** ट्रेडेड सिक्योरिटीज़ का मूल्यांकन संबंधित स्टॉक एक्सचेंज पर उनके अंतिम उद्धृत समापन मूल्य पर किया जाता है।

**प्रश्न 24:** निम्नलिखित में से कौन म्यूचुअल फंड योजना पर निवेश और सलाहकार शुल्क लगाता है?

A- ट्रस्टी

B- प्रायोजक

C- AMC

D- कस्टोडियन

**उत्तर: C**

**व्याख्या:** निवेश और सलाहकार शुल्क AMC द्वारा म्यूचुअल फंड योजना पर लगाया जाता है, जिसकी पूरी जानकारी SID में दी जाती है।

**प्रश्न 25:** निम्न कथन को सत्य या असत्य बताइए:

**कथन:** म्यूचुअल फंड योजनाएं एंटी लोड चार्ज कर सकती हैं।

A- सत्य

B- असत्य

**उत्तर: B**

**व्याख्या:** वर्तमान नियमों के अनुसार, म्यूचुअल फंड योजनाएं एंटी लोड चार्ज नहीं कर सकतीं। सेबी ने एंटी लोड पर प्रतिबंध लगा दिया है।



# Financial Street



# OUR SUCCESS STORIES

## कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद



**विकास शर्मा, सीईओ, फ़ारान्शियल स्ट्रीट**

**ग्यालियर.** आप सभी ने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने [REDACTED] में सन् 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने [REDACTED] में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी ज़रूरी है।

**अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें**  
निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडमेंटली अच्छी रिवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टैकनिकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंट्री के लिए करें। अच्छी रिस्क रेवाइड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

### अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें

एनएसई के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत लोग ऑप्शन ट्रेडिंग व डे ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। इसलिए लम्बी अवधि के लिए अच्छे स्टॉक पर निवेश करें। फर्जी यूट्यूब चैनल व टेलीग्राम चैनलों से बचें। अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें।

## इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प



**शे** पर बाजार का फ्रेज लगाकर बंद रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के फिलॉसफ़ के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आज युव से लेकर वरिष्ठ एग्जिक्यूटिव सिटीजन तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंटरेस्ट दिखा रहे हैं। मल्टीबैगर व इन्वेस्टर बनने के लिए किसी प्रोफेशनल ट्रेडर के जबरन नहीं होनी, लेकिन फंडामेंटल स्टेटस, फंडामेंटल एनालिसिस और टैकनिकल एनालिसिस का बेहिक नज़र होना चाहिए। यदि आपके पास पैसा, फ़ायरिंग, अकाउंटिंग, एक्सेल्लेंस व इंडस्ट्री में रिज़े है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज कबरी संभव में लोन इन्वेस्टर और ट्रेडर का अपना करियर संभार रहे है।

### एक नजर में

- प्रोफेशनल ट्रेडर को पहचानने की तुलना बाबा सचदेव की जानकारी है। कौशल की सिद्धि अचानक एक सिंबलिन है।
- पैरेलल या गतिविध द्वारा संकेतित करवाकर जमा करने के बाद नवावधि के नाम पर भी अकाउंट खोल जा सकता है।
- इन्वेस्टमेंट एडवाइसरों या रिटिरी बचतियों में प्रोफेशनल के रूप में काम करने के लिए सर्टिफाइड होना चाहिए।

### एनालिटिकल रिस्कल और रिसर्च ज़रूरी

दूस फीचर में अच्छी एनालिटिकल रिस्कल, स्टॉक मूवमेंट और रिसर्च रिपोर्ट जरूरी है। इनके अलावा स्टॉक ट्रेडिंग पैटर्नल रुखा और प्रेसेस की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होनी चाहिए। मार्केट में अने वाले नए प्रोडक्ट्स, उनके अंतर-बदलाव से जुड़ी सेक्टर जानकारी आवश्यक है। प्रेशर होना करना आना चाहिए। इस फीचर में एक्सपर्ट बनने के लिए, अच्छी कम्प्यूटर रिस्कल रिसर्च एप्लीकेशंस और फंडमैन्ट इंडस्ट्री की जानकारी संभवतः दिख सकती है।

### यहां भी मौकें

- स्टॉक मार्केट में अपन कई फीचर पर काम कर सकते हैं। इन्वेंट स्टॉक क्लब,
- फ़ायरिंगविल एडवाइसर, इन्वेस्टमेंट एडवाइसर, इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट रजिस्टर,
- रिसर्च एनालिटिक, ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग, फ़ायरिंगविल एनालिटिक, इक्विटी एनालिटिक, मार्केट रिस्कल, एनएसई डिस्टिक्चुर, एडवाइसर, इन्वेस्टमेंट डिस्टिक्चुर एडवाइसर।

### निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

अप करार बाजार में निवेश करने हैं तो बातों से अच्छ रिटर्न पाना आसान नहीं है। अगर अपना इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो मल्टीबैगर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अगर इन्वेस्टमेंट का फेसला जल्दबाजी में लिख जाते हैं तो कई बार, अचानक बंकिडिय रिटर्न के लिए लंबे समय के लिए इंतज़ार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स इनका से वैल्यू इन्वेस्टमेंट की एडवाइज देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

### रिसर्च पर फोकस करें

एकैडमिक एनालिटिकल के साथ अच्छी एनालिटिकल रिस्कल, स्टॉक मूवमेंट और रिस्कल रिस्कल होना चाहिए। स्टॉक ट्रेडिंग बंकिडिय क्लब और प्रेसेस की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। मार्केट के उतार-चढ़ाव और उसका होने वाले फल के बारे में पता होना जरूरी है।

## म्यूचुअल फंड एजेंट बननें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

**स** मय के साथ म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट का सबसे एक्टिव जॉब बनता जा रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। लोन अपे भी निवेश करने से डरते हैं। इसलिए उन्हें प्रोफेशनल एक्सपर्ट को दिखावा रहनी है। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से फार्मल करार अब ज़रूरत बनता जा रहा है। कबरी संभव में लोन इन एजेंट को हलर कर रहे हैं। यह डिस्टिमेंट अने खाले समय में और बढ़ेगा। यानि ओमे युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट को मांग होगी। युवा इनमें अपना करियर बना सकते हैं।



### विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिनके पास डिपेंडेंसी और डेट मार्केट की अच्छी जानकारी है, उन्को मांग बहुत ज़्यादा है। म्यूचुअल फंड एजेंट किसे भी चुनने से अने वाले व्यक्ति को किंग, करियर को सफलताई की एक विन्डु और विविध रोज़ प्रदान करता है। इनमें से कुछ मिस्ट्री, बिजनेस, उपाय विचार, निवेश, मानव संसाधन, जॉइन्ट और प्रबंजन नतीं के अनुपालन हैं।

### अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनने हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फ्रेश टाइम या वर्क टाइम भी कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचने और उसकी कमिशन कमाने का एक विवनेस शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन बैकवाइड व बर्गा बनकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

### तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप एक म्यूचुअल फंड एजेंट बनने हैं और पूरी साम और फेसल में लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करो हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा करियर सॉल्यु है सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनएजेंटविल से सी-ए सर्टिफिकेशन एजाम क्लारिफाई करना होगा।



**विकास शर्मा, फ़ारान्शियल स्ट्रीट**

### एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाधना नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाधना नहीं है। यदि आप नराल 10वीं तक भी पड़े है तो एनएजेंटविल से लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आपको पास मुख्य डीप्लोमेंट में पैरा वर्क और आउट कर्क होना अनिवार्य है।

### ये होता है वर्क

- निवेशकों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना।
- अपन क्लींफुई उदावरी की तुलना में म्यूचुअल फंड योजनाओं की इन्वेस्टमेंट को यह कराना।
- निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, रिटायरिंग, रिडिमेंशन से संबंधित लेवनेस करने में मदद करना।
- निवेश के प्रदर्शन पर अक्सर निवेशकों का मार्गदर्शन करना।





# TIMES OF INDIA

Vikas Sharma  
Founder  
Financial Street



## Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Buffett, we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

### HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

### HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

• **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

• **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

• **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [REDACTED] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.



## तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

### एक्सपर्ट स्टोरी



विकास शर्मा  
फाउंडर  
फाइनेंशियल स्ट्रीट

आपने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

### बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।

### मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

**मजबूत प्रबंधन-** कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्सन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

**प्रमोटर होल्डिंग-** ऐसा स्टॉक ढूँढ़ें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

**अच्छी कमाई-** एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

**निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें :** एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।



शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें



विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि व्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हे अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

**शेयर मार्केट** कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

# बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

**ZOOM रिपोर्ट**  
getika.com

भोजपुर, बॉम्बे के दौर में जब रोजगार देने वाले बॉम्बे स्टॉक को हलाल बाजार चल रही है, वही शेयर मार्केट में उनके नुशाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। ऐसे देखने हुए भविष्य में इस सेक्टर में शेयर बाजार में प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। इन क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए बड़े संघाषण हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बड़े कुशल भाग के प्रदान के महानवर एक्सपर्टों का स्थान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ब्रॉकिंग का काम देख रहे संजय कुमार ने बताया, अभी कई निवेश कंपनियों और वित्तीय सलाहकार कार्यालयों में वेब में हैं। इनके जल्दी यह जॉब के बड़े शिक हैं। इस क्षेत्र में प्रोग्राम को देखो हुए एक्सपर्ट, सीए, आर्किटेक्चर, इस ओर रुख कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज में मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य बना रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार को बात करे तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, जकाराउटेड, फाइनेंसियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, क्रेडिटल मार्केट एनालिस्ट के रूप में जुड़ जा सकता है।

## कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए कल रहे विभिन्न पोस्ट हेतु प्रोग्राम के लिए अर्थात् का स्वतंत्र होना अनिवार्य है। कुछ संस्थानों में प्रोग्राम के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक तृतीय अर्थवर्षी के लिए एक या दो वर्षीय डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। केवल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित



## प्रमुख संस्थान

- मुख्य स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग इन्स्टीट्यूट मुंबई
- वित्तीय विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट प्रेक्टीसमेंट्स, नई दिल्ली
- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्रेडुआइ इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्रेडुआइ इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नासिक
- यूनि विश्वविद्यालय, पुणे
- ज्यूपीएसएफएच, हैदराबाद

## शेयर मार्केट के फील्ड में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील्ड हैं। हर एक में वेपल कैरियर बनाना जा सकता है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ बचत और इन्वेंस्टमेंट कई हिस्से हैं। बड़ा प्रोफेशनल्स की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी खोज है।

आश्विन मगर, गैर वॉल्यूट, एनएच

## विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के कैरियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, मंड्रीशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, फ्यूचर फ्लॉर, सिम्पॉरिटी एनालिस्ट,



विश्लेषण करने वालों की जरूरत है, एमबीए परिणाम बाजार में सही विश्लेषण का आधार है।



## समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से रुपये का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की



विकास शर्मा,

दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है।



## करियर कोराना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इश्योरेंस सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

### एक नजर में

- इश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल रिस्कलस और सेलिंग रिस्कलस वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इश्योरेंस सेक्टर भावी करियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सिंग ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सिंग ऑफर करते हैं।

### युवाओं के लिए ऐसा करियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोराना के बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ



इश्योरेंस, हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इंसेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा करियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपकी कम्प्युनिकेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बढ़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

### इस समय देश में बूम पर है इश्योरेंस सेक्टर

इश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोराना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा



यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिट्यूटमेंट डेवलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

### कोराना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

में पिछले 25 साल से इश्योरेंस एजेंट हूँ और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूँ इश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंता करने के लिए सजग भी करते हैं। कोराना के बाद से लोगों में इश्योरेंस को लेकर काफी जागरूकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

## day special नेशनल इश्योरेंस अवेयरनेस डे

# कोराना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी



इश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्वोर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इश्योरेंस और हेल्थ इश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोराना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

### कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंट्रेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोराना के



बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी

हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इश्योरेंस की तरह जनरल इश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

### भविष्य के लिए प्री प्लान करें इश्योरेंस

इश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर



हर चीज मिल सकती है, लेकिन इश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान

करना होगा। इश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

## About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

## We Offer Mock Test Series



## Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: [contact.fstreet@gmail.com](mailto:contact.fstreet@gmail.com)

Web: <https://www.financialstreet.in/>

Call: (91)-6264537290

## About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Technical Analyst & Having more than 15 years' Experience in Money Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

**“THANK YOU”**

---